BYJU'S EXAM PREP | IAS

UPSC
पाठ्यक्रम (हिंदी)

UPSC सिविल सेवा परीक्षा पाठ्यक्रम:

UPSC सिविल सेवा परीक्षा (जिसे आम भाषा में आईएएस (IAS) परीक्षा कहा जाता है),तीन चरणों में आयोजित की जाती है, यह इस प्रकार हैं:

- **प्रारंभिक परीक्षा (प्रारंभिक)**
- **मुख्य परीक्षा**
- **व्यक्तित्व परीक्षण (साक्षात्कार)**

UPSC प्रारंभिक परीक्षा:

UPSC प्रारंभिक परीक्षा में दो अनिवार्य प्रश्न पत्र होते हैं, अर्थात्:

- **सामान्य अध्ययन (जीएस) प्रश्न पत्र 1**
- **सामान्य अध्ययन (जीएस) प्रश्न पत्र 2 सी-सैट (CSAT or Civil Services Aptitude Test) कहा जाता हैं।**

प्रारंभिक परीक्षा के दोनों पेपर आम तौर पर एक ही दिन आयोजित किए जाते हैं इससे सम्बंधित विवरण नीचे दी गई तालिका में दिए गए हैं:

कुल अंक	GS प्रश्न पत्र 1	GS प्रश्न पत्र 2 (CSAT)
कुल अंक	200	200
प्रश्नों की कुल संख्या	100	80
नकारात्मक अंकन*	हाँ	हाँ
समयावधि	2 घंटे (9:30 पूर्वाह्न - 11:30 पूर्वाह्न)	2 घंटे (9:30 पूर्वाह्न - 11:30 पूर्वाह्न)

*⅓ अंक प्रश्न के लिए आवंटित कुल अंकों में से प्रत्येक गलत उत्तर के लिए काटा जाएगा।

- इसे अधिक स्पष्ट करने के लिए,प्रत्येक सही उत्तर वाले GS I प्रश्न के लिए 2 अंक दिए जाएंगे। इसलिए, गलत तरीके से चिह्नित किए गए प्रत्येक प्रश्न के लिए कुल अंकों में से 0.66 अंक काटे जाएंगे।
- इसी तरह, CSAT पेपर में, चूंकि हमारे पास 80 प्रश्न होते हैं,जिनके लिए 200 अंक निर्धारित किए गए हैं, सही उत्तर वाले CSAT प्रश्नों में से प्रत्येक के लिए 2.5 अंक होते हैं, जबकि प्रत्येक गलत चिह्नित प्रश्न पर ऐसे प्रत्येक गलत उत्तर के लिए 0.833 अंक दंडस्वरूप काटे जायेंगे, जिसे कुल प्राप्त अंकों में से घटा दिया जाता हैं।
- अनुत्तरित प्रश्नों (जिनके उत्तर नहीं दिए गए हैं) के नकारात्मक अंक नहीं काटे जायेंगे।

GS 1 के लिए पाठ्यक्रम

- राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व की सामयिक घटनाएं।
- भारत का इतिहास और भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन।
- भारत एवं विश्व भूगोल – भारत एवं विश्व का प्राकृतिक, सामाजिक, आर्थिक भूगोल।
- भारतीय राज्यतंत्र और शासन – संविधान, राजनैतिक प्रणाली, पंचायती राज, लोक नीति, अधिकार सम्बन्धी मुद्दे, आदि।
- पर्यावरण पारिस्थितिकी, जैव विविधता और मौसम परिवर्तन सम्बन्धी पर सामान्य मुद्दे – जिनके लिए विषय गत विशेषज्ञता की आवश्यक नहीं है।
- सामान्य विज्ञानं।

GS 2 (CSAT) के लिए पाठ्यक्रम

- बोधगम्यता
- संचार कौशल सहित व्यैक्तिक कौशल
- तार्किक कौशल एवं विश्लेषणात्मक क्षमता
- निर्णय लेना और समस्या का समाधान
- सामान्य मानसिक योग्यता
- आधारभूत संख्यनन (संख्याएं और उनके संबंध, विस्तार क्रम, आदि) (दसवीं कक्षा का स्तर), आंकड़ों का निर्वचन (चार्ट, ग्राफ़, तालिका, आंकड़ों की पर्याप्तता, आदि – दसवीं कक्षा का स्तर)

प्रारंभिक परीक्षा केवल परीक्षा के बाद के चरणों के लिए एक उम्मीदवार की जांच के लिए होती है।अंतिम रैंक सूची में पहुंचने के दौरान प्रारंभिक परीक्षा में प्राप्त अंकों को नहीं जोड़ा जाता हैं। चूंकि UPSC CSAT एक क्वालीफाइंग पेपर है, अतः इस प्रश्न पत्र में न्यूनतम 33% स्कोर करने की आवश्यकता होती है और GS पेपर 1 में प्राप्त अंकों को ही प्रारंभिक परीक्षा पास करने की अहर्ता माना जाता है।

UPSC मुख्य परीक्षा:

मुख्य परीक्षा सिविल सेवा परीक्षा का दूसरा चरण है। प्रारंभिक परीक्षा में उत्तीर्ण होने के बाद ही उम्मीदवारों को आईएएस मुख्य परीक्षा लिखने की अनुमति दी जाएगी।

- मुख्य परीक्षा उम्मीदवार की अकादमिक प्रतिभा और समयबद्ध तरीके से प्रश्न की आवश्यकताओं के अनुसार उसकी समझ को प्रस्तुत करने की उसकी क्षमता का परीक्षण करती है।
- UPSC मेन्स परीक्षा में 9 पेपर होते हैं, जिनमें से दो क्वालिफाइंग पेपर 300 अंकों के होते हैं।

- दो क्वालीफाइंग पेपर हैं: कोई भी भारतीय भाषा का पेपर और अंग्रेजी भाषा का पेपर
- केवल ऐसे उम्मीदवारों के निबंध, सामान्य अध्ययन और वैकल्पिक विषय के प्रश्नपत्र, जो इन अर्हक प्रश्नपत्रों में न्यूनतम योग्यता मानक के रूप में दोनों भाषा के प्रश्नपत्रों में 25% अंक प्राप्त करते हैं, मूल्यांकन के लिए उनका संज्ञान लिया जाएगा।
- यदि कोई उम्मीदवार इन भाषा के प्रश्नपत्रों में उत्तीर्ण नहीं होता है, तो ऐसे उम्मीदवारों द्वारा प्राप्त अंकों पर विचार या गणना नहीं की जाएगी।

लैंगेज (भाषायी) प्रश्न पत्रों की संरचना:

पूछे जाने वाले प्रश्नों के प्रकार हैं –

1. निबंध – 100 अंक
2. रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन – 60 अंक
3. प्रिसिस राइटिंग (सार लेखन) – 60 अंक
4. अनुवाद:
   A. अंग्रेजी से अनिवार्य भाषा (जैसे हिंदी) – 20 अंक
   B. अंग्रेजी के लिए अनिवार्य भाषा – 20 अंक
5. व्याकरण और मूल भाषा का उपयोग – 40 अंक

शेष सात पेपर भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची के तहत उल्लिखित किसी भी भाषा में या अंग्रेजी में लिखे जा सकते हैं।

प्रश्न पत्र	विषय	कुल अंक
प्रश्न पत्र -I	निबंध (उम्मीदवार की पसंद के भाषायी माध्यम में लिखा जा सकता है)	250
प्रश्न पत्र -II	सामान्य अध्ययन – I (भारतीय विरासत और संस्कृति, विश्व और समाज का इतिहास और भूगोल)	250
प्रश्न पत्र -III	सामान्य अध्ययन – II (शासन, संविधान, राजनीति, सामाजिक न्याय और अंतर्राष्ट्रीय संबंध)	250
प्रश्न पत्र -IV	सामान्य अध्ययन – III (प्रौद्योगिकी, आर्थिक विकास, जैव विविधता, सुरक्षा और आपदा प्रबंधन)	250
प्रश्न पत्र -V	सामान्य अध्ययन – IV (नैतिकता, सत्यनिष्ठा और योग्यता)	250
प्रश्न पत्र -VI	वैकल्पिक विषय – प्रश्न पत्र I	250
प्रश्न पत्र -VII	वैकल्पिक विषय – प्रश्न पत्र II	250

मुख्य (प्रधान) परीक्षा का पाठ्यक्रम

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-I

इतिहास

भारतीय विरासत और संस्कृति

- भारतीय संस्कृति में प्राचीन काल से आधुनिक काल तक के कला के रूप, साहित्य और वास्तुकला के मुख्य पहलू शामिल होंगे।

आधुनिक इतिहास

- 18वीं सदी के लगभग मध्य से लेकर वर्तमान समय तक का आधुनिक भारतीय इतिहास- महत्वपूर्ण घटनाएं, व्यक्तित्व, विषय।
- स्वतंत्रता संग्राम- इसके विभिन्न चरण और देश के विभिन्न भागों से इसमें अपना योगदान देने वाले महत्वपूर्ण व्यक्ति/उनका योगदान।
- स्वतंत्रता के पश्चात देश के अंदर एकीकरण और पुनर्गठन।

विश्व का इतिहास

- विश्व के इतिहास में 18वीं सदी तथा बाद की घटनाएं यथा औद्योगिक क्रांति, विश्व युद्ध, राष्ट्रीय सीमाओं का पुनःसीमांकन, उपनिवेशवाद, उपनिवेशवाद की समाप्ति, राजनीतिक दर्शन शास्त्र जैसे साम्यवाद, पूंजीवाद, समाजवाद आदि शामिल होंगे, उनके रूप और समाज पर उनका प्रभाव।

भूगोल

विश्व और भारत का भौतिक भूगोल

- विश्व के भौतिक- भूगोल की मुख्य विशेषताएं।
- विश्वभर के मुख्य प्राकृतिक संसाधनों का वितरण (दक्षिण एशिया और भारतीय उपमहाद्वीप को शामिल करते हुए), विश्व (भारत सहित) के विभिन्न भागों में प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्र के उद्योगों को स्थापित करने के लिये जिम्मेदार कारक।
- भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखीय हलचल, चक्रवात आदि जैसी महत्वपूर्ण भू-भौतिकीय घटनाएं, भौगोलिक विशेषताएं और उनके स्थान-अति महत्वपूर्ण भौगोलिक विशेषताओं (जल-स्रोत और हिमावरण सहित) और वनस्पति एवं प्राणि-जगत में परिवर्तन और इस प्रकार के परिवर्तनों के प्रभाव।

सामाजिक मुद्दे

- भारतीय समाज की मुख्य विशेषताएं, भारत की विविधता।
- महिलाओं की भूमिका और महिला संगठन, जनसंख्या एवं संबद्ध मुद्दे, गरीबी और विकासात्मक विषय, शहरीकरण, उनकी समस्याएं और उनके रक्षोपाय।
- भारतीय समाज पर भूमंडलीकरण का प्रभाव।
- सामाजिक सशक्तीकरण, संप्रदायवाद, क्षेत्रवाद और धर्म-निरपेक्षता।

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-II

भारतीय राजव्यवस्था (संविधान शासन प्रणाली)

- **भारतीय संविधान**- ऐतिहासिक आधार, विकास, विशेषताएं, संशोधन, महत्वपूर्ण प्रावधान और बुनियादी संरचना।
- संघ एवं राज्यों के कार्य तथा उत्तरदायित्व, संघीय ढांचे से संबंधित विषय एवं चुनौतियां, स्थानीय स्तर पर शक्तियों और वित्त का हस्तांतरण और उसकी चुनौतियां।
- विभिन्न घटकों के बीच शक्तियों का पृथक्करण, विवाद निवारण तंत्र तथा संस्थान।
- भारतीय संवैधानिक योजना की अन्य देशों के साथ तुलना।
- संसद और राज्य विधायिका- संरचना, कार्य, कार्य-संचालन, शक्तियां एवं विशेषाधिकार और इनसे उत्पन्न होने वाले विषय।
- कार्यपालिका और न्यायपालिका की संरचना, संगठन और कार्य- सरकार के मंत्रालय एवं विभाग, प्रभावक समूह और औपचारिक/अनौपचारिक संघ तथा शासन प्रणाली में उनकी भूमिका।
- **जन प्रतिनिधित्व अधिनियम** की मुख्य विशेषताएं।
- विभिन्न संवैधानिक पदों पर नियुक्ति और विभिन्न संवैधानिक निकायों की शक्तियां, कार्य और उत्तरदायित्व।
- सांविधिक, विनियामक और विभिन्न अर्द्ध-न्यायिक निकाय।

शासन व्यवस्था

- शासन व्यवस्था, पारदर्शिता और जवाबदेही के महत्वपूर्ण पक्ष, ई-गवर्नेंस- अनुप्रयोग, मॉडल, सफलताएं, सीमाएं और संभावनाएं; नागरिक चार्टर, पारदर्शिता एवं जवाबदेही और संस्थागत तथा अन्य उपाय।
- लोकतंत्र में सिविल सेवाओं की भूमिका।

अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध

- भारत एवं इसके पड़ोसी- संबंध।
- द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और भारत से संबंधित और/अथवा भारत के हितों को प्रभावित करने वाले करार।
- महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, संस्थाएं और मंच- उनकी संरचना, अधिदेश।
- भारत के हितों, भारतीय परिदृश्य पर विकसित तथा विकासशील देशों की नीतियों तथा राजनीति का प्रभाव।

सामाजिक न्याय

- केन्द्र एवं राज्यों द्वारा जनसंख्या के अति संवेदनशील वर्गों के लिये कल्याणकारी योजनाएँ और इन योजनाओं का कार्य-निष्पादन, इन अति संवेदनशील वर्गों की रक्षा एवं बेहतरी के लिये गठित तंत्र, विधि, संस्थान एवं निकाय।
- स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधनों से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित विषय।
- **गरीबी** एवं भूख से संबंधित विषय।
- सरकारी नीतियों और विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिये हस्तक्षेप और उनके अभिकल्पन तथा कार्यान्वयन के कारण उत्पन्न विषय।
- विकास प्रक्रिया तथा विकास उद्योग- गैर-सरकारी संगठनों, स्वयं सहायता समूहों, विभिन्न समूहों और संघों, दानकर्ताओं, लोकोपकारी संस्थाओं, संस्थागत एवं अन्य पक्षों की भूमिका।

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-III

अर्थव्यवस्था (आर्थिक विकास)

- भारतीय अर्थव्यवस्था तथा योजना, संसाधनों को जुटाने, प्रगति, विकास तथा रोज़गार से संबंधित विषय।
- समावेशी विकास तथा इससे उत्पन्न विषय।
- सरकारी बजट।
- मुख्य फसलें- देश के विभिन्न भागों में फसलों का पैटर्न- सिंचाई के विभिन्न प्रकार एवं सिंचाई प्रणाली- कृषि उत्पाद का भंडारण, परिवहन तथा विपणन, संबंधित विषय और बाधाएं; किसानों की सहायता के लिये ई-प्रौद्योगिकी।
- प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कृषि सहायता तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य से संबंधित विषय; जन वितरण प्रणाली- उद्देश्य, कार्य, सीमाएं, सुधार; बफर स्टॉक तथा खाद्य सुरक्षा संबंधी विषय; प्रौद्योगिकी मिशन; पशु-पालन संबंधी अर्थशास्त्र।

- भारत में खाद्य प्रसंस्करण एवं संबंधित उद्योग- कार्यक्षेत्र एवं महत्व, स्थान, ऊपरी और नीचे की अपेक्षाएं, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन।
- भारत में भूमि सुधार।
- उदारीकरण का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव, औद्योगिक नीति में परिवर्तन तथा औद्योगिक विकास पर इनका प्रभाव।
- बुनियादी ढांचा: ऊर्जा, बंदरगाह, सड़क, विमानपत्तन, रेलवे आदि।
- निवेश मॉडल।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी

- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी- विकास एवं अनुप्रयोग और रोज़मर्रा के जीवन पर इसका प्रभाव।
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियां; देशज रूप से प्रौद्योगिकी का विकास और नई प्रौद्योगिकी का विकास।
- सूचना प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, कंप्यूटर, रोबोटिक्स, नैनो-टैक्नोलॉजी, बायो-टैक्नोलॉजी और बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित विषयों के संबंध में जागरुकता।

पर्यावरण और पारिस्थितिकी

- संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और क्षरण, पर्यावरण प्रभाव का आकलन।

आपदा प्रबंधन

- आपदा और आपदा प्रबंधन।

आंतरिक सुरक्षा

- विकास और फैलते उग्रवाद के बीच संबंध।
- आंतरिक सुरक्षा के लिये चुनौती उत्पन्न करने वाले शासन विरोधी तत्वों की भूमिका।
- संचार नेटवर्क के माध्यम से आंतरिक सुरक्षा को चुनौती, आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों में मीडिया और सामाजिक नेटवर्किंग साइटों की भूमिका, साइबर सुरक्षा की बुनियादी बातें, धन-शोधन और इसे रोकना।
- सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा चुनौतियां एवं उनका प्रबंधन- संगठित अपराध और आतंकवाद के बीच संबंध।
- विभिन्न सुरक्षा बल और संस्थाएं तथा उनके अधिदेश।

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-IV

नीतिशास्त्र, सत्यनिष्ठा और अभिरुचि

- इस प्रश्न-पत्र में ऐसे प्रश्न शामिल होंगे जो सार्वजनिक जीवन में उम्मीदवारों की सत्यनिष्ठा, ईमानदारी से संबंधित विषयों के प्रति उनकी अभिवृत्ति तथा उनके दृष्टिकोण तथा समाज से आचार-व्यवहार में विभिन्न मुद्दों तथा सामने आने वाली समस्याओं के समाधान को लेकर उनकी मनोवृत्ति का परीक्षण करेंगे। इन आयामों का निर्धारण करने के लिये प्रश्न-पत्र में किसी मामले के अध्ययन (केस स्टडी) का माध्यम भी चुना जा सकता है। मुख्य रूप से निम्नलिखित क्षेत्रों को कवर किया जाएगा।
- नीतिशास्त्र तथा मानवीय सह-संबंध: मानवीय क्रियाकलापों में नीतिशास्त्र का सार तत्व , इसके निर्धारक और परिणाम; नीतिशास्त्र के आयाम; निजी और सार्वजनिक संबंधों में नीतिशास्त्र, मानवीय मूल्य- महान नेताओं, सुधारकों और प्रशासकों के जीवन तथा उनके उपदेशों से शिक्षा; मूल्य विकसित करने में परिवार, समाज और शैक्षणिक संस्थाओं की भूमिका।
- अभिवृत्ति: सारांश (कंटेन्ट), संरचना, वृत्ति; विचार तथा आचरण के परिप्रेक्ष्य में इसका प्रभाव एवं संबंध; नैतिक और राजनीतिक अभिरुचि; सामाजिक प्रभाव और धारणा।
- सिविल सेवा के लिये अभिरुचि तथा बुनियादी मूल्य, सत्यनिष्ठा, भेदभाव रहित तथा गैर-तरफदारी, निष्पक्षता, सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पण भाव, कमज़ोर वर्गों के प्रति सहानुभूति, सहिष्णुता तथा संवेदना।
- भावनात्मक समझ: अवधारणाएं तथा प्रशासन और शासन व्यवस्था में उनके उपयोग और प्रयोग।
- भारत तथा विश्व के नैतिक विचारकों तथा दार्शनिकों के योगदान।
- लोक प्रशासनों में लोक/सिविल सेवा मूल्य तथा नीतिशास्त्र: स्थिति तथा समस्याएं; सरकारी तथा निजी संस्थानों में नैतिक चिंताएं तथा दुविधाएं; नैतिक मार्गदर्शन के स्रोतों के रूप में विधि, नियम, विनियम तथा अंतर्रात्मा; शासन व्यवस्था में नीतिपरक तथा नैतिक मूल्यों का सुदृढ़ीकरण; अंतर्राष्ट्रीय संबंधों तथा निधि व्यवस्था (फंडिंग) में नैतिक मुद्दे; कारपोरेट शासन व्यवस्था।
- शासन व्यवस्था में ईमानदारी: लोक सेवा की अवधारणा; शासन व्यवस्था और ईमानदारी का दार्शनिक आधार, सरकार में सूचना का आदान-प्रदान और पारदर्शिता, सूचना का अधिकार, नीतिपरक आचार संहिता, आचरण संहिता, नागरिक घोषणा पत्र, कार्य संस्कृति, सेवा प्रदान करने की गुणवत्ता, लोक निधि का उपयोग, भ्रष्टाचार की चुनौतियां।
- उपर्युक्त विषयों पर मामला संबंधी अध्ययन (केस स्टडी)।

वैकल्पिक विषयों की सूची

(उम्मीदवार नीचे दिए गए विषयों की सूची में से कोई भी वैकल्पिक विषय चुन सकते हैं)

ग्रुप 1

1. कृषि विज्ञान
2. पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विज्ञान
3. नृविज्ञान
4. वनस्पति विज्ञान
5. रसायन विज्ञान
6. सिविल इंजीनियरी
7. वाणिज्य शास्त्र तथा लेखा विधि
8. अर्थशास्त्र
9. विद्युत इंजीनियरी
10. भूगोल
11. भू-विज्ञान
12. इतिहास
13. विधि
14. प्रबंधन
15. गणित
16. यांत्रिक इंजीनियरी
17. चिकित्सा विज्ञान
18. दर्शन शास्त्र
19. भौतिकी
20. राजनीति विज्ञान तथा अन्तर्राष्ट्रीय संबंध
21. मनोविज्ञान
22. लोक प्रशासन
23. समाज शास्त्र
24. सांख्यिकी
25. प्राणी विज्ञान

ग्रुप 2

1. असमिया
2. बंगाली
3. बोडो
4. डोगरी
5. गुजराती
6. हिन्दी
7. कन्नड़
8. कश्मीरी
9. कोंकणी
10. मैथिली
11. मलयालम
12. मणिपुरी
13. मराठी
14. नेपाली
15. उड़िया
16. पंजाबी
17. संस्कृत
18. संथाली
19. सिंधी
20. तमिल
21. तेलुगू
22. उर्दू
23. अंग्रेजी

साक्षात्कार परीक्षण

1. उम्मीदवार का साक्षात्कार एक बोर्ड द्वारा होगा जिसके सामने उम्मीदवार के परिचयवृत का अभिलेख होगा। उससे सामान्य रुचि की बातों पर प्रश्न पूछे जायेंगे। यह साक्षात्कार इस उद्देश्य से होगा की सक्षम और निष्पक्ष प्रेक्षकों का बोर्ड यह जान सके कि उम्मीदवार लोक सेवा के लिए व्यक्तित्व की दृष्टि से उपयुक्त है या नहीं। यह परीक्षा उम्मीदवार की मानसिक क्षमता को जांचने के अभिप्राय: से की जाती है। मोटे तौर पर इस परीक्षा का प्रयोजन वास्तव में न केवल उसके बौद्धिक गुणों को अपितु उसके सामाजिक लक्षणों और सामाजिक घटनाओं में उसकी रुचि का भी मूल्यांकन करना है। इसमें उम्मीदवार की मानसिक सतर्कता, आलोचनात्मक ग्रहण शक्ति, स्पष्ट और तर्क संगत प्रतिपादन की शक्ति, संतुलित निर्णय की शक्ति, रुचि की विविधता और गहराई, नेतृत्व और सामाजिक संगठन की योग्यता, बौद्धिक और नैतिक ईमानदारी की भी जांच की जा सकती है।
2. साक्षात्कार में प्रति परीक्षण (क्रॉस एग्जामिनेशन) की प्रणाली नहीं अपनाई जाती। इसमें स्वाभाविक वार्तालाप के माध्यम से उम्मीदवार के मानसिक गुणों का पता लगाने का प्रयत्न किया जाता है, परन्तु वह वार्तालाप की एक विशेष दिशा में और एक विशेष प्रयोजन से किया जाता है।
3. साक्षात्कार परीक्षण उम्मीदवारों के विशेष या सामान्य ज्ञान के जांच करने से प्रयोजन से नहीं किया जाता है, क्योंकि उसकी जांच लिखित प्रश्न पत्रों से पहले ही हो जाती है। उम्मीदवारों से आशा की जाती है कि वे न केवल अपने शैक्षणिक विशेष विषयों में ही पारंगत हो बल्कि उन घटनाओं पर भी ध्यान दें जो उनके चारों ओर अपने राज्य या देश के भीतर और बाहर घट रही हैं तथा आधुनिक विचारधारा और नई-नई खोजों में भी रुचि लें जो कि किसी सुशिक्षित युवक में जिज्ञासा पैदा कर सकती है।

नोट:

साक्षात्कार **275 अंकों** का होता है।

कुल योग: 2025

BYJU'S EXAM PREP | IAS

Legacy of Success Continues

Our Top Performers in **UPSC CSE 2022**

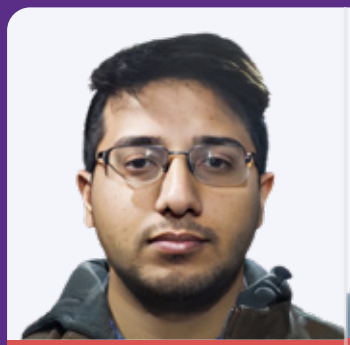

RANK 05
Mayur Hazarika

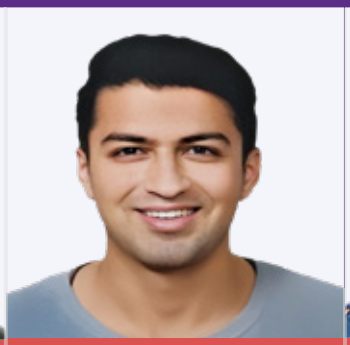

RANK 08
Aniruddh Yadav

RANK 09
Kanika Goyal

266 Total Ranks out of 933 vacancies

03 Ranks in **Top 10** | **06** Ranks in **Top 25** | **30** Ranks in **Top 100**

Download The App Today!

+91-7996922222

iaslive@byjus.com

byjusexamprep.com

GET IT ON Google Play

The Most Comprehensive Exam Preparation App